>

Title: Problems being faced by the potato growers in the country.

श्री राजनाथ सिंह (ग़ाज़ियाबाद): मैडम, मैं आपके माध्यम से इस सरकार का ध्यान देश के आलू उत्पादक किसानों की दयनीय स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। आज देश के कई राज्यों में जहां आलू पैदा होता है, वहां के किसानों की स्थिति बहुत ही दयनीय हो गयी है, बहुत ही शोचनीय हो गयी है। केवल समाचार पत्रों की खबरों के आधार पर मैं यह बात नहीं कह रहा हूं। मैंने स्वयं अपने कुछ कार्यकर्ताओं को, कुछ सांसदों को कुछ राज्यों में भेजा था और पश्चिम बंगाल में स्वयं स्थिति का जायजा लेने के लिए मैं गया हुआ था। हुगली, जहां सबसे अधिक आलू पैदा होता है, उस हुगली जिले में मैं गया था, सिंगूर में भी गया था। सिंगूर में जब किसानों से उनकी हालात के बारे में जानकारी ले रहा था तो विश्वनाथ नामक एक किसान की आँखों से आँसू चलने लगे। वह फूट-फूटकर रोने लगा। वहीं पर मुझे एक जानकारी प्राप्त हुयी कि प्रवीर ढकाल नामक एक व्यक्ति जो केलेपाड़ा का रहने वाला है, उसने आलू की जो डिस्ट्रेस सेलिंग हो रही है यानी कम कीमत पर जो आलू बाजार में खरीदा जा रहा है, उसके कारण उसने जहर खा लिया था, लेकिन चिकित्सा के बाद उसे बचा लिया गया। वर्धमान जिले में उस व्यक्ति का नाम मैं लेना चाहता हूं जो आलू उत्पादक किसान है, रामकृष्ण घोष गांव बरूआ, वर्धमान जिले का रहने वाला था, इसने डिस्ट्रेस सेलिंग के कारण यानी कम कीमत पर जो आलू मार्केट में बेची जा रही थी, उसके कारण उसे लॉस हो रहा था, जिससे वह आत्महत्या करने का मजबूर हो गया और उसने आत्महत्या कर ली। ...(व्यवधान) हमारे उत्तर प्रदेश में चाहे पूर्वी उत्तर प्रदेश हो, चाहे मध्य हो या चाहे पश्चिमी हो, आज जहां-जहां भी आलू पैदा होता है, किसान त्राहि-त्राहि कर रहा है। मैं गाजियाबाद से आता हूं। हापुड़ है, आगरा है, पूर्वी उत्तर प्रदेश, वाराणसी, फरूखाबाद इन सारे जिलों में हाहाकार की स्थिति मची हुयी है।

मैं बताना चाहता हूं कि आलू पैदा करने में पर एकड़ जितनी इनपुट कॉस्ट होती है, वह इनपुट कॉस्ट निकलने की बात तो दूर, किसानों को पर एकड़ दस हजार रुपये से लेकर बीस हजार रुपये तक का घाटा उठाना पड़ रहा है। किसानों की यह हालत हो गई है। एक रुपये से लेकर 4 रुपये प्रति किलो की दर से किसान आलू बेचने को मजबूर हो रहे हैं। बाजार में चले जाइए, आलू की कीमत 8 रुपये, 10 रुपये, 15 रुपये किलो है। लेकिन किसानों को एक रुपये, 2 रुपये, 4 रुपये किलो की दर से भी कीमत प्राप्त नहीं हो रही है। स्पैकुलेटिव ट्रेडिंग होती है, वादा बाजार चलता है, सट्टे बाजारी होती है। वादा बाजार और सट्टे बाजारी के माध्यम से आलू की कीमतों को मैनिपुलेट करने का काम सट्टेबाज करते हैं जो स्पैकुलेटिव ट्रेडिंग करते हैं।...(व्यवधान) मैडम स्पीकर, मैं मांग करना चाहता हूं कि जिन-जिन आइटम्स की स्पैकुलेटिव ट्रेडिंग होती है। जो फूड आइटम्स हैं, उनमें से आलू, टमाटर और प्याज को बाहर किया जाना चाहिए, इन्हें स्पैकुलेटिव ट्रेडिंग के तहत नहीं रखा जाना चाहिए।...(व्यवधान) आप बैठ जाइए। आपको जानकारी नहीं है।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Rajnath Singh *ji* is saying.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : पवन जी, आपको मालूम नहीं होगा, इस साल वादा बाजार के माध्यम से 40 लाख टन आलू की ट्रेडिंग हुई है, जिसमें से एक्चुअल डिलीवरी केवल 7 हजार टन हुई है। ...(व्यवधान)

आपको मालूम नहीं है। आप एक रिस्पौंसीबल मिनिस्टर हैं। आपको इस तरह खड़ा नहीं होना चाहिए। मैं कहना चाहता हूं कि आपको अपनी पॉलिसी में, चाहे जिस प्रकार का स्ट्रक्चरल चेंज करना हो, चाहे प्रोसीजरल चेंज करना हो, वह चैंज लाइए, ताकि इस देश के आलू पैदा करने वाले किसानों को उनकी अपनी उपज, उत्पाद की फेयर और रैमुनरेटिव प्राइसेज़ मिल सके।

यहां लालू जी भी बैठे हुए हैं। मैं जानता हूं कि आलू के महत्व को लालू जी अच्छी तरह समझते हैं, क्योंकि जब ये बिहार के मुख्य मंत्री थे, तब कहा करते थे कि जब तक इस दुनिया में रहेगा आलू तब तक रहेगा लालू।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : लालू जी, आलू के महत्व को बराबर कहा करते थे।...(व्यवधान) इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि सरकार इस पर ध्यान दे।

आज कोल्ड स्टोरेजेस में जो आलू रखा है, यदि सरकार बहुत कुछ नहीं कर सकती तो स्टोरेज चार्जेस की अदायगी सरकार द्वारा की जानी चाहिए। किसानों ने जो लोन लिया है, उस पर इंटरस्ट माफ किया जाना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री अर्जुन मेघवाल,

डा. तरुण मंडल एवं

0श्री वीरेन्द्र कुमार भी इस विषय के साथ अपने को सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : अध्यक्ष महोदया, वादा बाजार,...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अपना स्थान ग्रहण कीजिए। रिकार्ड में कुछ नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

अध्यक्ष महोदया : शून्य प्रहर में जिन सदस्यों का नाम लिस्ट में है, उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अग्रवाल जी का नाम लिस्ट में है, इसलिए आप उन्हें बोलने दीजिए। हम सबको बारी-बारी से बुलाएंगे।

â€¦(व्यवधान)